HINDI VERSION

“डीएनडी फ्लाईवे के 25 वर्ष: विश्व-स्तरीय अवसंरचना — शहरों को जोड़ते हुए, पीढ़ियों की सेवा करते हुए, एक अटूट विरासत”

25 वर्ष पहले एक दूरदर्शी अवसंरचना पहल के रूप में निर्मित डीएनडी फ्लाईवे ने दिल्ली और नोएडा के बीच गतिशीलता बढ़ाने और आर्थिक अवसरों को विस्तार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

पिछले ढाई दशकों में इस मार्ग ने दोनों शहरों के परिवर्तन को देखा है—व्यापार को गति दी है, लाखों यात्रियों की दैनिक आवाजाही को सुगम बनाया है और आधुनिक भारत के दो प्रमुख शहरी केंद्रों के बीच संपर्क को मजबूत किया है।

डीएनडी फ्लाईवे के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर **नोएडा टोल ब्रिज कंपनी लिमिटेड (NTBCL)** के **कार्यकारी निदेशक एवं सीईओ श्री धीरज कुमार** इस परियोजना के ऐतिहासिक महत्व और आने वाली पीढ़ियों के लिए इस महत्वपूर्ण मार्ग को सुरक्षित और बेहतर बनाए रखने की संगठन की प्रतिबद्धता पर अपने विचार साझा कर रहे हैं।

प्रश्न 1. फरवरी 2026 में डीएनडी फ्लाईवे ने 25 वर्ष पूरे कर लिए हैं। यह उपलब्धि NTBCL और भारत की अवसंरचना यात्रा के लिए क्या मायने रखती है?

उत्तर:
25 वर्ष पूरे होना केवल एक वर्षगांठ नहीं है, बल्कि इस विचार की पुष्टि है कि **संपर्क और विकास साथ-साथ चलते हैं।**

जब फरवरी 2001 में डीएनडी फ्लाईवे शुरू हुआ, तब इसने यमुना नदी के ऊपर दिल्ली और नोएडा को जोड़ते हुए एक विश्व-स्तरीय, नियंत्रित-प्रवेश (access-controlled) कॉरिडोर प्रदान कर शहरी संपर्क की परिभाषा बदल दी।

ढाई दशकों में यह मार्ग प्रतिदिन लाखों यात्रियों की सेवा करता रहा है और इसने साबित किया है कि **भारतीय अवसंरचना इंजीनियरिंग, सुरक्षा और सेवा के वैश्विक मानकों के अनुरूप हो सकती है।**

प्रश्न 2. नोएडा के विकास और एनसीआर में उसके एकीकरण में डीएनडी फ्लाईवे की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण रही है?

उत्तर:
फ्लाईवे नोएडा के परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण आधार रहा है। दिल्ली से सहज और भरोसेमंद संपर्क मिलने के कारण यहाँ आवासीय, वाणिज्यिक और संस्थागत विकास को बड़ी गति मिली।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसने नोएडा को एनसीआर की आर्थिक और शहरी संरचना में मजबूती से एकीकृत कर दिया, जिससे यह दिल्ली का एक स्वाभाविक विस्तार बन गया, न कि केवल एक परिधीय शहर।

प्रश्न 3. आज भारत के भविष्य के एक्सप्रेसवे नेटवर्क में डीएनडी फ्लाईवे की क्या भूमिका है?

उत्तर:
समय के साथ यह मार्ग केवल शहरों को जोड़ने वाला कॉरिडोर नहीं रहा, बल्कि भारत के विकसित होते एक्सप्रेसवे नेटवर्क का एक **रणनीतिक नोड** बन गया है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे और एनसीआर रिंग कनेक्टिविटी जैसे बड़े कॉरिडोर विकसित होने के साथ, डीएनडी फ्लाईवे एक **महत्वपूर्ण शहरी प्रवेश द्वार (urban gateway)** की तरह कार्य करता है, जो क्षेत्रीय और राष्ट्रीय गतिशीलता नेटवर्क को जोड़ता है।

प्रश्न 4. इंजीनियरिंग के दृष्टिकोण से डीएनडी फ्लाईवे को 25 वर्ष बाद भी एक स्थायी अवसंरचना परिसंपत्ति क्या बनाता है?

उत्तर:
डीएनडी फ्लाईवे वास्तव में एक **इंजीनियरिंग उपलब्धि** है। यह एक आठ-लेन कॉरिडोर है जिसमें जटिल नदी पार मार्ग, लंबे स्पैन वाले पुल और उच्च क्षमता वाले एप्रोच शामिल हैं।

यमुना नदी के ऊपर पर्यावरणीय मानकों का पालन करते हुए निर्मित इस संरचना का डिजाइन और मजबूती ऐसी है कि यह समय, बढ़ते यातायात और शहरी दबावों के बावजूद आज भी सुरक्षित और सुगम यात्रा प्रदान कर रहा है।

प्रश्न 5. आज भी यह फ्लाईवे रोज़ाना यात्रियों की पहली पसंद है। NTBCL ने यह भरोसा कैसे बनाए रखा?

उत्तर:
यात्रियों का भरोसा **निरंतरता और विश्वसनीयता** से बनता है।

NTBCL ने हमेशा सड़क की गुणवत्ता, सुरक्षा, संकेतक, प्रकाश व्यवस्था और रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया है। डीएनडी फ्लाईवे यात्रियों को **समय और यात्रा गुणवत्ता की निश्चितता** देता है और यही भरोसा इसे वर्षों से यात्रियों की पहली पसंद बनाता है।

प्रश्न 6. NTBCL को अनुबंधीय और कानूनी चुनौतियों का भी सामना करना पड़ा है। कंपनी ने इस स्थिति को कैसे संभाला?

उत्तर:
कुछ अनुबंधीय व्याख्याओं और न्यायिक निर्णयों के कारण कंपनी की राजस्व संरचना प्रभावित हुई है।

इन परिस्थितियों में कंपनी ने अपने राजस्व स्रोतों में विविधता लाने का प्रयास किया है। NTBCL का मानना है कि कानूनी मामलों का समाधान न्यायिक प्रक्रिया से होना चाहिए, लेकिन **जनसेवा और अवसंरचना की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता।**

वित्तीय चुनौतियों के बावजूद सुरक्षा और रखरखाव के मानकों को बनाए रखा गया है।

प्रश्न 8. IL&FS समूह के समाधान और नए बोर्ड के गठन का NTBCL पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर:
IL&FS समूह में नए बोर्ड की नियुक्ति के बाद शासन, पारदर्शिता और जवाबदेही में सुधार हुआ है।

NTBCL के लिए दैनिक संचालन पूरी तरह स्थिर और निर्बाध रहे हैं। परिसंपत्ति संरक्षण और सार्वजनिक हित पर विशेष ध्यान देने से हमारी प्रतिबद्धता और मजबूत हुई है।

प्रश्न 9. क्या IL&FS समाधान प्रक्रिया के दौरान यात्रियों के लिए कोई व्यवधान पैदा हुआ?

उत्तर:
यात्रियों के दृष्टिकोण से कोई भी व्यवधान नहीं हुआ।

फ्लाईवे लगातार सुचारु, सुरक्षित और विश्वसनीय तरीके से संचालित होता रहा है। रखरखाव, सुरक्षा ऑडिट और सेवा मानक पहले की तरह जारी रहे हैं।

IL&FS समूह पर लागू मोरेटोरियम ने संचालन में स्थिरता प्रदान की, जबकि अंतरिम वितरण ने कंपनी के ऋण समाधान में सहायता की।

प्रश्न 10. जब रियायत अवधि समाप्त होगी तो क्या डीएनडी फ्लाईवे की विरासत भी समाप्त हो जाएगी?

उत्तर:
अवसंरचना की विरासत रियायत अवधि से समाप्त नहीं होती।

यह फ्लाईवे भविष्य में भी जनता की सेवा करता रहेगा—चाहे विस्तारित रियायत हो, नया कंसेशनायर हो या कोई अन्य संरचना।

जो स्थायी है वह है इस परिसंपत्ति में निहित **इंजीनियरिंग क्षमता, संस्थागत अनुभव और संचालन मानक।**

प्रश्न 11. वैश्विक स्तर पर डीएनडी फ्लाईवे भारत की अवसंरचना क्षमता को कैसे दर्शाता है?

उत्तर:
डीएनडी फ्लाईवे यह दिखाता है कि भारत जटिल अवसंरचना परियोजनाओं की कल्पना, निर्माण और दीर्घकालिक संचालन करने में सक्षम है।

उस समय जब इस प्रकार की परियोजनाएँ दुर्लभ थीं, यह परियोजना भारत में अवसंरचना विकास और प्रबंधन की परिपक्वता का प्रतीक बनी।

प्रश्न 12. क्या डीएनडी फ्लाईवे ने भारत में अवसंरचना को एक निवेश योग्य परिसंपत्ति वर्ग के रूप में स्थापित करने में योगदान दिया?

उत्तर:
हाँ। इस परियोजना ने यह दिखाया कि सुव्यवस्थित अवसंरचना परियोजनाएँ दीर्घकालिक पूंजी आकर्षित कर सकती हैं और दशकों तक सार्वजनिक उपयोगिता प्रदान कर सकती हैं।

डीएनडी फ्लाईवे भारत के शुरुआती **पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP)** मॉडल पर आधारित शहरी एक्सप्रेसवे में से एक था। उस समय इसने वैश्विक संस्थागत निवेश आकर्षित किया और NTBCL देश की शुरुआती अवसंरचना कंपनियों में से एक बनी जो शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुई।

इन पहलों ने भारत के PPP और अवसंरचना वित्तपोषण ढांचे को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रश्न 13. जैसे-जैसे डीएनडी फ्लाईवे अपने अगले चरण में प्रवेश कर रहा है, प्रबंधन का संदेश क्या है?

उत्तर:
हमारा संदेश है **विश्वास, निरंतर सेवा और गर्व का।**

डीएनडी फ्लाईवे आगे भी यात्रियों की सेवा करता रहेगा, क्षेत्रीय विकास को गति देता रहेगा और इंजीनियरिंग उत्कृष्टता का उदाहरण बना रहेगा।

यह केवल एक सड़क नहीं है—यह एक विरासत है।

और हमारा संकल्प है कि इस विरासत को सुरक्षित रखते हुए यह परिसंपत्ति आने वाली पीढ़ियों की सेवा करती रहे, जब भारत एक विकसित राष्ट्र की दिशा में आगे बढ़ रहा है।